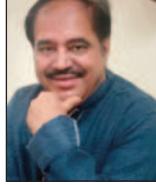


हरदा में हादसा या हत्या?

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से तगभग डेढ़ सौ किमी की दूरी पर कृषि प्रधान जिला है हरदा। उर्वरा भूमि, स्थाह काली मिट्ठी और बैती के लिए अपार संभावनाओं वाला इलाका। ऐसी खुबीयों वाले जिले में आखिर पटाखों की अवैध फैक्ट्रियों का क्या काम? अखिर किसके परंपरण में चलती जा रही है ये मौत की फैक्ट्रियां? कंग्रेस का आरोप कि जिस फैक्ट्री में आग लगने से 12 लोगों की मौत हो गई और ढाई सौ से ज्यादा घायल होकर मौत से संघर्ष कर रहे हैं उस फैक्ट्री का मालिक भाजपा का एक सक्रिय नेता है, जबकि भाजपा का कहना है कि फैक्ट्री के मालिक कंग्रेस का पदाधिकारी है। बहरहाल, दोनों ही टाइयाँ एक-दूसरे पर आरोप लगाने में जुटी हैं। वे कह रहे हैं इन्होंने उनके लिए चुनाव प्रचार किया था। ये कह रहे हैं ये उनके आदमी हैं। ये इस धमाके में मर गए। घायल हो गए, वे कौन थे, किसके आदमी थे, यह कोई समझना नहीं चाहता। कुछ घायल कह रहे हैं कि अपनी आँखों के साथ बच्चे भी फैक्ट्री में आते थे। कुछ बच्चे काम में सहयोग की करते थे। इन बच्चों में से अधिकांश का अब तक अता-पता नहीं है। एक घायल ने कहा-आग लगने वाले दिन कोई बीस- पच्चीस बच्चे फैक्ट्री के भीतर थे। कोई अफसर, कोई प्रशासन, कोई सरकार इस आगे में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है कि आखिर वे बच्चे कहाँ गए। हरहाल सीएम मोहन यादव ने हरदा का दौरा करने के बाद एसपी व फ्लैक्टर को हटा कर दर्दित किया है। पता चला है कि 2015 में भी एस फैक्ट्री में धमाका हुआ था तब दो लोगों की मौत हुई थी। फैक्ट्री मालिकों को दस साल की सजा भी हुई थी लेकिन महीने भर में ही ये लोगों से बाहर आकर फिर मुनाफे की इस फैक्ट्री को शुरू कर दिया। इद तो यह है कि यह सब प्रशासन खुली आँखों के सामने होता रहा। सभी घटना से यह भी सबित हो गया कि सत्ता में पैठ रखने वाले लोग वह सब करते रहते हैं जिसके हादसों में निर्दोष मजदूरों का बड़ा वर्ग मरा जाता है। मुख्यमंत्री मोहन यादव मान रहे हैं कि हरदा का यह धमाका हमारी परीक्षा थी। अगर सरकार की परीक्षा इस तरह की है तो वह भी कह रही है ऐसी घटनाओं पर किसी का बस नहीं चलता। यह यह है कि जब आप रहवासी इलाकों में इस तरह की खतरनाक

फैब्रियां चलाने देते हैं तो विस्फोट तो होंगे ही। आखिर प्रशासन और सरकार का बस क्यों नहीं चलता? क्या अवैध फैब्रियां चलाने के लिए सरकार या सरकारी महकमे का कोई व्यक्ति दोषी नहीं होता? कोई जम्मेदार नहीं होता। आखिर इसके लिए जवाबदेही कौन तय करेगा? वह कोई प्राकृतिक आपदा तो है नहीं, जिस पर किसी का बस नहीं लगते। यह तो मानवीय गलती का जीता-जागता उदाहरण है। इसे हर लाल में रोका जा सकता था। फिर फैब्रियां मालिक चाहे भाजपा से जुड़ा हुआ हो या कांग्रेस से, लोगों की जान लेने की इजाजत भला किसी को नहीं दिया जाएगा। जैसे दी जा सकती है? हरदा जैसे शांत शहर और इलाके को इस तरह ऐसे मौत के मुँह में धकेलना कर्तव्य ठीक नहीं है। सरकार को हरदा ही नहीं, पूरे प्रदेश में चल रही इस तरह की फैब्रियों की तुरंत पहचान लकरना चाहिए और उन्हें हर हाल में तत्काल प्रभाव से रोकना चाहिए, नर्ना इस तरह के हादसे सरकार की परीक्षा लेत रहेंगे और फिर वाक्रई कंसी का बस नहीं चलेगा। यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि टाटा खां कारखानों में होने वाले ऐसे हादसों को रोकने के लिए पुख्ता तजाम कब होंगे। पहले दिवाली के समय किसी लापरवाही के चलते ऐसे हादसे हो जाया करते थे, अब साल भर ऐसी घटनाओं की खबरें नामी रहती हैं।

महंगाई तथा मूल्यों की वृद्धि वैशिष्ट्यक रिकार्ड



संजीव दाकुर ह। एसा नहा ह कि सिर्फ हंस्तान में ही महंगाई का परचम यानक तौर पर लहरा रहा है। पेट्रोल, डीजल, गैस के दाम तो अनंतराष्ट्रीय स्तर पर कृद आयल दाम बढ़ने से बढ़ते हैं, फिर भलग अलग राज्य सरकारें उस पर न लगाकर दाम बढ़ाने का काम नहीं है पर मूल रूप से वैश्विक तर पर महंगाई करना के भयानक अंक्रमण और रूस यूक्रेन युद्ध की यानक विभीषिका को परिणति ही। इस के विरुद्ध अंतराष्ट्रीय वित्तबंधों ने तो महंगाई में आग ही तगा के रख दी है। रूस अब किसी भी कीमत पर यूरोपीय देशों तथा अन्य पश्चिमी देशों को पेट्रोल डीजल गैस देने की मनः स्थिति में रही है, उस पर रूस पर यूरोपीय का बाबादा के आतम छार पर पहुंचाना चाह रहे हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ अडियल रवैया रूस ही दिखा रहा है बल्कि यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेन्स्की भी ना जाने किस घमंड और गुमान पर अडे हुए हैं, उन्हें अपने देश के एक करोड़ से ज्यादा विस्थापित नागरिक दिखाई नहीं दे रहे हैं एवं हजारों निर्दोष नागरिकों के साथ सैनिकों की मृत्यु तथा शब भी उन्हें युद्ध रोकने के लिए बाध्य नहीं कर पा रहे हैं। वैसे यह तो तय है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन की आड़ में अमेरिका तथा नाटो देशों के सदस्यों को यह बताना चाह रहे हैं कि रूस अभी भी उतना ही शक्तिशाली है जितना वह उस 1990 में विघटन के पूर्व था। रूस यूक्रेन युद्ध के कई दिन पूरे हो चुके

था नेटो देशों का प्रतिवध भी महंगाई का बड़ा कारण है। रूस का समानवीय तरीके से यूक्रेन पर आक्रमण और लगभग एक करोड़ यूक्रेन के नागरिक अन्य देशों में बदल गए थे बनकर रहने के कारण ही रूपों में महंगाई बहुत बढ़ गई है। भारत के परिषेक्ष में महंगाई अब भरम सीमा पर है आम आदमी का जीवन मुश्किल दर मुश्किल होता रहा है। पाकिस्तान, बांग्लादेश न अलावा श्रीलंका में तो महंगाई सरकार का तख्ता ही पलट दिया गया। पाकिस्तान में भी सत्ता परिवर्तन का कारण महंगाई तथा बेरोजगारी भी रही है। रूस यूक्रेन युद्ध के इन तरहीने बाद भी अमानवीय कूर वर्धीषिका थमने का नाम नहीं ले सकती है। यूक्रेन के करोड़ों लोग अधरबार हो गए हैं। यूक्रेन की भवनों रूपए की संपत्ति युद्ध की भेट बढ़ चुकी है, यूक्रेन में नागरिकों का नेहराम मचा हुआ है। ऐसे समय में संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव टेनियो गुतारेस की रूस के विप्रति ल्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से जो आंतिं बहाल हेतु शांति वार्ता है और यूक्रेन के हासले अभी भी बुलंद दिखाई दे रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय न्यूज़ एंजेसियों के अनुसार कीव , मारियोपोल, बृचा, लोहानस्क, डोनेट्स आदि शहर नर संहार के भयानक केंद्र बन चुके हैं। न्यूज़ एंजेसी के अनुसार यूक्रेन के मूल हथियार जो उसके पास पूर्व में थे सारे नष्ट हो चुके हैं, तामाम हवाई अड्डे नेस्तानाबूद कर दिए गए हैं, अब रिथ्ति यह है कि फ्रांस, इजराइल, कनाडा, न्यूजीलैंड, अमेरिका, ब्रिटेन, पोलैंड से आए हुए जहाज, टैक और मशीन गनों के सहारे ही यूक्रेन में वर्तमान का युद्ध लड़ा जा रहा है। यूक्रेन के लगभग 50 से 55 हजार सैनिक और नागरिक मारे जाने की एंजेसियों द्वारा पुष्टि की गई है। और कीव, बृचा, मारियोपोल मैं रूसी सैनिकों के साथ उनके कई सेना के अधिकारियों की मौत की भी पुष्टि की गई है। यूक्रेन के सरकारी प्रवक्ता ने बताया रूस के लगभग 20 हजार सैनिक इस युद्ध में हलाक हुए हैं। और उनके लड़ाकू जेट, पैर्टन टैक, बख्तरबंद गाड़ियों तथा ड्रोन भारी मात्रा में नष्ट कर दिए गए हैं।



अशाक भाटिया

कोविंग छात्रों की आत्महत्या क्यों नहीं रोक पा रही सरकार !

राजस्थान का कोटा पूरे देश में आईआईटी और मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी का गढ़ बन चुका है। एक अनुमान के मुताबिक ये कारोबार करीब हजार करोड़ से अधिक का हो किंतु इस कारोबार की नींव यक्ति ने जिसने लालटेन ट्राई की और जिसे एक के कारण अपनी अच्छी-इनी पड़ी उनके अनुमान तो हमारे घर में बिजली न तेल की दबदबे के बीच रानी में पढ़ाई हीती थी। इस बारे में सबाल पूछ रही थी कहते कि बेटा खूब डोगे, तभी तुम्हारे घर में बस बिजली के उजियारे मुझमें मेहनत करने की व्यवस्था बताते समय कोचिंग क माने जाने वाले वीके व्हीलचेयर पर बैठे बैठे कोटा की जेके सिथेटिक्स क इंजीनियर बंसल को शेफी नामक बीमारी के नौकरी से रिटायरमेंट के बाद उन्होंने बंसल के उपस्थिति बेहतर निगरानी की जाए, छात्रों के मनोभाव का विश्लेषण किया जाए और ऐसे पूर्व छात्रों के बारे में बताया जाए जो जेईई / नीट तो नहीं निकाल पाए मगर जीवन में बहुत सफल रहे। दरअसल कुछ लोगों के सफल होने के बाद लोग उनके परिवारों से अपने परिवारों की प्रतिस्पर्धा करने लगे हैं कि फलां का बेटा-बेटी डॉक्टर बन गया, हमें भी अपने बच्चों को डॉक्टर बनाना है। फलां की बेटी-बेटा कोटा हाँस्टल में है तो हम भी वही पढ़ा वडा वहां की पढ़ाई में अनफिट रहने वाले या जबरदस्ती वहां बड़ा आदमी बनाने के चक्कर में भेजे जाने वाले छात्रों की आत्महत्या का सिलसिला। बंसल 2021 में गुजर गए मगर उन्होंने जिसकी शुरुआत की थी, वह एक उद्योग के रूप में विकसित होने लगा और उससे कोटा की पहचान बन गई। हालांकि, विडंबना है कि बड़े संस्थानों के आने के बाद बंसल क्लासेज का वह प्रभाव नहीं रहा। इसके अधिकारियों का कहना है कि अन्य संस्थानों की जगह बंसल क्लासेज में योग्य उम्मीदवारों को ही प्रवेश मिलता है। बंसल के प्रबक्ता का कहना है, 'पहले कोचिंग संस्थान प्रवेश परीक्षाओं के आधार पर ही छात्रों का दखिला लेते थे मगर अब वे व्यावसायिक और व्यवसाय केंद्रित हो गए हैं।' उन्होंने कहा कि आत्महत्या और मानसिक तनाव के कारणों में सहपाठियों के साथ तुलना, व्यस्त दिनचर्या के अलावा पारिवारिक और सामाजिक दबाव शामिल हैं। बंसल क्लासेज ने इसके उपाय के तौर पर सुझाव दिया है कि जेईई और नीट के पाठ्यक्रम से कम महत्वपूर्ण चीजों को अलग कर दिया जाए, छात्रों को साप्ताहिक अवकाश दिया जाए, छात्रावास में उपस्थिति बेहतर निगरानी की जाए, छात्रों के मनोभाव का विश्लेषण किया जाए और ऐसे पूर्व छात्रों के बारे में बताया जाए जो जेईई / नीट तो नहीं निकाल पाए मगर जीवन में बहुत सफल रहे। दरअसल कुछ लोगों के सफल होने के बाद लोग उनके परिवारों से अपने परिवारों की प्रतिस्पर्धा करने लगे हैं कि फलां का बेटा-बेटी डॉक्टर बन गया, हमें भी अपने बच्चों को डॉक्टर बनाना है। फलां की बेटी-बेटा कोटा हाँस्टल में है तो हम भी वही पढ़ाएंगे, चाहे उस बच्चे के सपने कुछ भी हो... हम उन्हें अपने सपने थोप रहे हैं। आज हमारे स्कूल (कोचिंग संस्थान) बच्चों को पारिवारिक रिश्तों का महत्व नहीं सीखा पा रहे, उन्हें असफलताओं या समस्याओं से लड़ना नहीं सीखा पा रहे। उनके जहन में सिर्फ एक-टू-सेरे से प्रतिस्पर्धा के भाव भरे जा रहे हैं जो जहर बनकर उनकी जिंदगियां लील रहा है। जो कमजोर है वो आत्महत्या कर रहा है व थोड़ा मजबूत है वो नशे की ओर बढ़ रहा है। जब हमारे बच्चे असफलताओं से टूट जाते हैं तो उन्हें ये पता ही नहीं है कि इससे कैसे निपटा जाए। उनका कोमल हृदय इस नाकामी से टूट जाता है। इसी बजह से आत्महत्या बढ़ रही है। आत्महत्या का सिलसिला लगातार चल रहा है जो रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। कोटा में इस साल अब तक 23 छात्रों ने अपनी जिंदगी खत्म कर दी। यह एक साल का सर्वाधिक आंकड़ा है। कोटा के सबसे बड़े कोचिंग संस्थान एलेन में 1.25 लाख से भी अधिक छात्र पढ़ाई करते हैं। यहां की कक्षाएं संकल्प और सबल जैसे नौ खंडों में बंटी हुई हैं। ऐसे में छात्रों की दिनचर्या काफी व्यस्त हो जाती है और उन्हें पढ़ाई करने के लिए काफी जल्दी उठना पड़ता है। हजारों शिक्षक पांच-पांच घंटे से अधिक के दो बैच को पढ़ाते हैं। पहली बैच सुबह में चलता है और दूसरा बैच शाम के बक्त। कक्षाओं के बैच में एक हॉल में छात्रों को स्वाध्याय करते हुए आसानी से देखा जा सकता है। आत्महत्या करने में ध्यान देने वाली व सबसे बड़ी दिल दहलाने वाली घटना जो आज भी चर्चा का विषय बनी, की बात करें तो कुछ समय पूर्व कोटा में आत्महत्या करने वाली छात्रा कृति की कृति ने अपने सुसाइड नोट में लिखा था कि, 'मैं भारत सरकार और मानव संसाधन मंत्रालय से कहना चाहती हूं कि अगर वो चाहते हैं कि कोई बच्चा न मरे तो जितनी जल्दी हो सके इन कोचिंग संस्थानों को बंद करवा दें, ये कोचिंग छात्रों को खोखला कर देते हैं। पढ़ने का इतना दबाव होता है कि बच्चे बोझ तले दब जाते हैं।' कृति ने लिखा था कि वो कोटा में कई छात्रों को डिप्रेशन और स्ट्रेस से बाहर निकालकर सुसाइड करने से रोकने में सफल हुई लेकिन खुद को नहीं रोक सकी। बहुत लोगों को विश्वास नहीं होगा कि मेरे जैसी लड़की जिसके 90+ मार्क्स हो वो सुसाइड भी कर सकती है, लेकिन मैं आप लोगों को समझा नहीं सकती कि मेरे दिमाग और दिल में कितनी नफरत भरी है। अपनी मां के लिए उसने लिखा- "आपने मेरे बचपन और बच्चा होने का फायदा उठाया और मुझे विज्ञान पसंद करने के लिए मजबूर करती रहीं मैं भी विज्ञान पढ़ती रहीं ताकि आपको खुश रख सकूँ।" मैं क्वांटम फिजिक्स और एस्ट्रोफिजिक्स जैसे विषयों को पसंद करने लगी और उसमें ही बीएस्सी करना चाहती थी लेकिन मैं आपको बता दूँ कि मुझे आज भी अंग्रेजी साहित्य और इतिहास बहुत अच्छा लगता है। क्योंकि ये मुझे मेरे अंधकार के बक्त में मुझे बाहर निकालते हैं।" कृति अपनी मां को चेतावनी देते हुए आगे लिखती है कि 'इस तरह की चालाकी और मजबूर करने वाली हरकत 11 वीं क्लास में पढ़ने वाली छोटी बहन से मत करना, वो जो बनना चाहती है और जो पढ़ना चाहती है उसे वो करने देना क्योंकि वो उस काम में सबसे अच्छा कर सकती है जिससे वो प्यार करती है।' इसको पढ़कर मन विचलित हो जाता है कि इस होड़ में हम अपने बच्चों के सपनों को छीन रहे हैं। इसको पढ़कर मन विचलित हो जाता है कि इस होड़ में हम अपने बच्चों के सपनों को छीन रहे हैं। गैरतलब है कि कोटा के कोचिंग क्लास में पढ़ने वाले उन हजारों छात्रों के चेहरे से हंसी गायब रहती हैं जो भारत की दो सबसे कठिन परीक्षाओं- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान- संयुक्त प्रवेश परीक्षा (IIT-JEE) और प्री-मेडिकल राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) की तैयारी करते हैं। हर साल 2 लाख से अधिक अभ्यर्थी राजस्थान कोटा आते हैं। ये छात्र मुख्यतः 11वीं और 12वीं में पढ़ाई करने वाले रहते हैं, जो हर साल इस शहर के लिए 5 हजार करोड़ रुपये का कारोबार करते हैं। शहर के साथ-साथ वे प्रेशर कुकर में भी प्रवेश करते हैं। छात्रों की दिनचर्या काफी व्यस्त है और इसलिए वे जबरदस्त दबाव झेलते हैं। इससे उबरने के लिए कुछ संस्थानों ने मनोचिकित्सकों को तैनात किया है। कुछ ने इसे आत्मसात कर लिया है और कुछ इससे पार नहीं पा रहे हैं। ऐसे में छात्रों की आत्महत्या आम बात हो गई है। कैपस में मनोचिकित्सक से परामर्श लेने वाले राज का कहना है, 'यह मुख्य रूप से अभिभावकों (माता-पिता) द्वारा दिए जाने वाले दबाव का परिणाम है, लेकिन कभी-कभी बच्चे भी विफल हो जाने पर कभी किसी तरह का दबाव नहीं ढाला है। मनोचिकित्सक ने उन्हें पर्याप्त नींद लेने के बारे में बताया, जो पहले साल में वह नहीं ले पारे थे।'

Digitized by srujanika@gmail.com

प्रतिरोध की क्रांति का सूत्रधार ही सत्ता का मुखबिर निकला !



श्रवण गर्ग

ली मौत से पब्लिसिटी पाने की बेशर्मी?

शठाकुर
वत सच है जिसके नहीं है? उनको लगा होगा कि मौत को अफवाह फैलाकर वह लोगों की सहानुभूति पाएंगे और पब्लिसिटी लूट लेंगी पर, उन्हें नहीं पता उन्होंने लोगों की नजरों में अपना विश्वास कितना खो दिया है। शायद अब भविष्य में लोग उन पर न एतवार करेंगे और न ही यकीन? गैरतलब है कि पूनम औसत दर्जे की अभिनेत्री और मॉडल रही हैं। उन्हें हमेशा काम की तलाश रही। आजतक उन्हें कोई कायदे का रोल नहीं मिला। एक कड़वी सच्चाई ये भी है, अपनी हरकतों के चलते वो कभी मायानगरी में फिट नहीं बैठ पाई। उंटपटांग हथकंडों के जरिए ही उन्होंने थोड़ा बहुत नाम कमाया। भारतीय टीम का किक्रेट वर्ल्डकप जीतने पर न्यूट होकर स्टेडिएम में चक्कर लगाने जैसे दावे करके वो प्रशंसकों की नजरों में पहले ही गिर चुकी थीं। इसके अलावा भी उनके तकरीबन व्यापारिक और भारतीय संस्कृति के विरुद्ध ही रहे। इसी कारण पूनम के परिवार ने भी उनसे किनारा किया हुआ था। जिस दिन उन्होंने अपनी मौत की झूटी खबर फैलाई तो उनके प्रशंसकों को एकाएक विश्वास नहीं हुआ। वो जानते हैं कि पूनम कितनी ड्रामेबाज है। अचानक हुई मौत पर सभी को संदेह हुआ। और हुआ भी कमोबेश वैसा ही जिसका सभी को अंदेशा था।

लेकिन नहीं, उन्हें तो बस सनसनी फैलानी थी। निश्चित रूप से अभिनेत्री पूनम पांडे ने अपनी मौत की अफवाह फैलाकर न सिर्फ मौत की कड़ी सच्चाई के साथ खिलवाड़ किया है, बल्कि अनगिनतों की भावनाओं को भी आहत किया है। अभिनेत्री का मकसद सिर्फ पब्लिसिटी पाना मात्र था लेकिन उन्होंने ऐसा करके बहुत गंवा दिया। एक पुरानी कहावत है 'गांव का एक व्यक्ति गांव वालों को 'शेर आया, शेर आया' कहकर परेशान करता था। गांव वाले जब उसकी मदद के लिए पहुंचते तो वो सबका उपहास उड़ाता लेकिन एक दिन सच में शेर आ गया, तब भी उसने लोगों को सहायता के लिए बुलाया, लेकिन उस दिन मदद के लिए कोई गांव वाला नहीं पहुंचा और शेर ने उसे निवाला बना लिया। ईश्वर न करें कहीं ऐसा भविष्य में पूनम पांडे के साथ हो जाए?

मेडिक्लेम या सीजीएचएस की सुविधा होने के कारण उनके माथे पर अस्पताल के बिल को लेकर कोई खास दिक्रियत नहीं दिखाई दी। परंतु वहीं दूसरी ओर कुछ मरीजों में महाँ इलाज को लेकर चिंता भी दिखाई दी। परंतु आज का विषय मेडिक्लेम और महाँ इलाज का नहीं है। जब भी कभी आप अस्पताल गए होंगे तो आपका सामना सबसे पहले वहाँ पर तैनात सुरक्षाकर्मियों से होता है। ये सुरक्षाकर्मी व्यवस्था बनाए रखने की नीत से अस्पताल में आने वाले हर व्यक्ति को कभी प्यार से और कभी डॉट से समझाते हुए दिखाई देते हैं। आपने अक्सर देखा होगा कि अस्पताल में आने वाले लोग प्रायः इन सुरक्षाकर्मियों से बुरा व्यवहार करते हैं। परंतु देखा जाए तो अस्पतालों में तैनात तमाम सुरक्षाकर्मी केवल अपनी डियूटी कर रहे होते हैं। उनके लिए अस्पतालों में आनेवाले सभी लोग एक समान हैं। जब भी कभी किसी विशिष्ट व्यक्ति को अस्पताल में आना होता है तो

नकली मौत से पब्लिसिटी पाने की बेशर्मा?

डॉ. रमेश ठाकुर
 मौत परम शाश्वत सच है जिसके साथ जीवित मनुष्य को कभी भी मजाक नहीं करना चाहिए। मौत तो सृष्टि द्वारा निर्धारित अंतिम हकीकत है, भला उससे साथ क्या खिलवाड़ करना? सोचो आगर काल ने किसी के थोड़ा सा भी मजाक कर दिया, तो उसका क्या होगा, सभी को पता है? मौत का उपहास उड़ाने का मतलब होता है प्रकृति और कुदरत की रची संयुक्त संस्कृति के साथ ठिठोली करना। ऐसी ही हरकत अभिनेत्री पूनम पांडे ने अपनी नकली मौत की खबर फैलाकर की है, जो इस बक्त चर्चाओं का विषय बनी हुई है। दरअसल, उन्होंने पब्लिसिटी की चाह में ऐसा पाप कर डाला है जिसकी माफी तीनों लोकों में उन्हें कहीं नहीं मिलने वाली। मौत की अफवाह से उनके चाहने वालों की जन-भावनाएं कुछ घंटों के लिए कितनी आहत हुईं होंगी, शायद इसका अंदाजा उन्हें नहीं है? उनको लगा होगा कि मौत की अफवाह फैलाकर वह लोगों की सहानुभूति पाएंगे और पब्लिसिटी लूट लेंगी पर, उन्हें नहीं पता उन्होंने लोगों की नजरों में अपना विश्वास कितना खो दिया है। शायद अब भविष्य में लोग उन पर न एतबार करेंगे और न ही यकीन? गैरतलब है कि पूनम औसत दर्जे की अभिनेत्री और मॉडल रही है। उन्हें हमेशा काम की तलाश रही। आजतक उन्हें कोई कायदे का रोल नहीं मिला। एक कड़वी सच्चाई ये भी है, अपनी हस्तियों के चलते वो कभी मायानगरी में फिट नहीं बैठ पाई। उंटपटांग हथकंडों के जरिए ही उन्होंने थोड़ा बहुत नाम कमाया। भारतीय टीम का क्रिकेट वर्ल्डकप जीतने पर न्यूट होकर स्टेडिएम में चक्कर लगाने जैसे दावे करके वो प्रशंसकों की नजरों में पहले ही गिर चुकी थीं। इसके अलावा भी उनके तकरीबन व्यान पारिवारिक और भारतीय संस्कृति के विरुद्ध ही रहे। इसी कारण पूनम के परिवार ने भी उनसे किनारा किया हुआ था। जिस दिन उन्होंने अपनी मौत की झूठी खबर फैलाई तो उनके प्रशंसकों को एकाएक विश्वास नहीं हुआ। वो जानते हैं कि पूनम कितनी ड्रामेबाज हैं। अचानक हुई मौत पर सभी को संदेह हुआ। और हुआ भी कमोबेश वैसा ही जिसका सभी को अंदेशा था।

दूसरी सुबह खुद प्रकट होकर नाटकीय अंदाज में अपनी मौत का खंडन कर डाला। झूठी खबर को उन्होंने सर्वाइकल कैसर के प्रति जागरूकता फैलाना बताया जिसे भी लोगों ने सिरे से नकार दिया। अगर उन्हें बास्तव में कैसर मरीजों की इतनी परवाह है तो इसके लिए वह जागरूकता कैप लगा सकती है, धन को डोनेट कर सकती थीं, लेकिन नहीं, उन्हें तो बस सनसनी फैलानी थी। निश्चित रूप से अभिनेत्री पूनम पांडे ने अपनी मौत की अफवाह फैलाकर न सिर्फ मौत की कड़ी सच्चाई के साथ खिलवाड़ किया है, बल्कि अनगिनतों की भावनाओं को भी आहत किया है। अभिनेत्री का मकसद सिर्फ पब्लिसिटी पाना मात्र था लेकिन उन्होंने ऐसा करके बहुत गंवा दिया। एक पुरानी कहावत है 'गंव का एक व्यक्ति गंव वालों को 'शेर आया, शेर आया' कहकर परेशान करता था। गंव वाले जब उसकी मदद के लिए पहुंचते तो वो सबका उपहास उड़ाता लेकिन एक दिन सच में शेर आ गया, तब भी उसने लोगों को सहायता के लिए बुलाया, लेकिन उस दिन मदद के लिए कोई गंव वाला नहीं पहुंचा और शेर ने उसे निवाला बना लिया। ईश्वर न करें कहीं ऐसा भविष्य में पूनम पांडे के साथ हो जाए?

दिखाई दा। परंतु वहाँ दूसरा आर कुछ मरीजों में महंगे इलाज को लेकर चिंता भी दिखाई दी। परंतु आज का विषय मेडिक्लेम और महंगे इलाज का नहीं है। जब भी कभी आप अस्पताल गए होंगे तो आपका सामना सबसे पहले वहाँ पर तैनात सुरक्षाकर्मियों से होता है। ये सुरक्षाकर्मी व्यवस्था बनाए रखने की नीयत से अस्पताल में आने वाले हर व्यक्ति को कभी प्रायः और कभी डॉट से समझाते हुए दिखाई देते हैं। आपने अक्सर देखा होगा कि अस्पताल में आने वाले लोग प्रायः इन सुरक्षाकर्मियों से बुरा व्यवहार करते हैं। परंतु देखा जाए तो अस्पतालों में तैनात तमाम सुरक्षाकर्मी केवल अपनी डियूटी कर रहे होते हैं। उनके लिए अस्पतालों में आनेवाले सभी लोग एक समान हैं। जब भी कभी किसी विशिष्ट व्यक्ति को अस्पताल में आना होता है तो मराज के हत म हा हात ह। इसलिए अगली बार यदि आपको किसी सुरक्षाकर्मी द्वारा रोका या टोका जाए तो इस बात का ध्यान दें कि वो सुरक्षाकर्मी अपनी डियूटी कर रहा है और इसमें आपको बुरा नहीं मानना चाहिए। अब बात करें उन स्वास्थ्यकर्मियों की जो चुपचाप अपना काम करते हैं और इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि अस्पताल और अस्पताल में भर्ती सभी मरीज एकदम स्वच्छ रहें। आप इन्हें अस्पताल के सफाई कर्मियों, वार्ड बॉय, हाउसकीपर जैसे नामों से जानते हैं। इनका काम है अस्पताल के पूरे वातावरण को एकदम साफ सुथरा और व्यवस्थित रखना। किसी भी मरीज को वार्ड से किसी भी तरह की जाँच के लिए ले जाना हो। मरीजों के बिस्तर बदलने हों। मरीजों के स्नान व सफाई की बात हो।



रजनाश कपूर

**स्वास्थ्यकर्मी: गुमनाम
सिपाहियों को सलाम**

एक पुरानी कहावत है, 'लड़ती है फ़ौज और नाम कप्तान का होता है।' यह बात काफ़ी हद तक सही है, क्योंकि वो फ़ौज का कप्तान ही होता है जो सारी रणनीति बनाता है। हर कप्तान को अपनी फ़ौज पर पूरा विश्वास होता है और उसी विश्वास पर वह जंग में जीत हासिल कर लेता है। यह बात हर टीम के लिए कही जा सकती है जहाँ एक टीम के साथ उसका एक कप्तान होता है। परंतु हर टीम में कुछ ऐसे गुमनाम सिपाही होते हैं जिन्हें हम नज़रअंदाज कर देते हैं। आज हम ऐसे ही कुछ गुमनाम सिपाहियों का जिक्र करेंगे जिनके योगदान के बिना देश भर की स्वास्थ्य सेवा अधूरी है। यह स्वास्थ्यकर्मी आपको हर अस्पताल या बड़े क्लिनिक में दिखाई तो देते होंगे पर आपने इनकी सेवा पर इतना गौर नहीं किया होगा। पिछले सप्ताह मुझे कुछ दिनों के लिए दिल्ली के एक बड़े अस्पताल में परिवार के एक सदस्य की तीमारदारी के लिये रुकना पड़ा। वहाँ पर हुए कुछ अनुभव के आधार पर ऐसा लगा कि अस्पतालों में काम कर रहे स्वास्थ्यकर्मियों के बारे में पाठकों को जानकारी दी जाए। यह अस्पताल देश के कई बड़े अस्पतालों में से एक था, इसलिए वहाँ पर मरीज़ों और उनके रिश्तेदारों में एक विश्वास का माहौल दिखाई दे रहा था। ज्यादातर लोगों के पास उसका एक प्रोटोकॉल होता है, जिसका पालन वे अपने वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में करते हैं। परंतु अस्पताल में आने वाला हर व्यक्ति यदि खुद को वीआईपी समझे और इन सुरक्षाकर्मियों को अपना सेवक तो यह ठीक नहीं। यदि अस्पतालों में व्यवस्था नहीं बनी रहेगी तो क्या वहाँ पर इलाज करने वाले डॉक्टर अपना काम शांति से कर पाएँगे? ज्ञा सोचिए कि आप खुद को एक वरिष्ठ डॉक्टर को दिखा रहे हों और बिना किसी सुरक्षाकर्मी की तैनाती के, दरवाजे पर दूसरे मरीज़ को हराम मचा रहे हों। ऐसे में क्या डॉक्टर आपकी बीमारी पर ध्यान देगा या बाहर खड़ी भीड़ पर? ठीक इसी तरह हर अस्पताल में भर्ती मरीज़ों से मिलने वालों के लिए भी नियम तय किए गए हैं। इन नियमों को सुचारू रूप से लागू किया जाए इसलिए अस्पतालों के वार्ड में जाने वाले हर मार्ग पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाती है। इन सुरक्षाकर्मियों की यह इंटीटी होती है कि केवल पास धारक या अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश दिया जाए। परंतु फिर भी आपने अक्सर कई लोगों को इन सुरक्षाकर्मियों से उलझाते हुए देखा होगा। क्या यह सही है? अस्पताल में मरीज़ अपना इलाज करवाने और आराम करने आता है। यदि यहाँ भी मिलने वालों का ताँता लगा रहे तो अस्पताल और घर में फ़र्क़ ही क्या रहेगा? इतना ही नहीं कुछ मरीज़ों को संक्रमण का खतरा भी होता है, जो आगंतुकों के आने से बढ़ भी

मेडिकलम या सीजीएचएस की सुविधा होने के कारण उनके माथे पर अस्पताल के बिल को लेकर कोई खास दिक्कत नहीं दिखाई दी। परंतु वहीं दूसरी ओर कुछ मरीजों में महाँगे इलाज को लेकर चिंता भी दिखाई दी। परंतु आज का विषय मेडिकलम और महाँगे इलाज का नहीं है। जब भी कभी आप अस्पताल गए होंगे तो आपका सामना सबसे पहले वहाँ पर तैनात सुरक्षाकर्मियों से होता है। ये सुरक्षाकर्मी व्यवस्था बनाए रखने की नीयत से अस्पताल में आने वाले हर व्यक्ति को कभी प्यार से और कभी डॉट से समझाते हुए दिखाई देते हैं। आपने अक्सर देखा होगा कि अस्पताल में आने वाले लोग प्रायः इन सुरक्षाकर्मियों से बुरा व्यवहार करते हैं। परंतु देखा जाए तो अस्पतालों में तैनात तमाम सुरक्षाकर्मी के बिल अपनी डियूटी कर रहे होते हैं। उनके लिए अस्पतालों में आने वाले सभी लोग एक समान हैं। जब भी कभी किसी विशिष्ट व्यक्ति को अस्पताल में आना होता है तो

फिल्म/टीवी

स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

घोषणा के बाद कपिल ने शुरू किया आगामी कॉमेडी शो पर काम, कृष्ण अभिषेक ने किया खुलासा

कॉमेडियन कपिल शर्मा एक बार फिर अपनी पूरी टीम के साथ सबको हँसाने के लिए तैयार है। कपिल इन दिनों अपने आगामी कॉमेडी शो को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। छोटे पर्स 'द' कपिल शर्मा 'शो' के जरिए कपिल ने दर्शकों का खुब मनोरंजन किया। बीते दिनों कपिल ने अपने अगले शो की घोषणा कर दी थी, जिसमें उन्होंने जानकारी दी थी कि वे अब टीवी पर नहीं बल्कि नेटफिल्म्स पर मनोरंजन करेंगे। वर्ती, कुछ समय बाद खबर समाचार आई है कि कपिल ने आगामी शो पर काम करना शुरू कर दिया है।

कपिल के आगामी शो पर

काम शुरू

कृष्ण अभिषेक ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान बात की कपिल के बाद बहुत पसंद आया और मैंने उनसे बात कि आप वास्तव में अच्छे हो।

कैलाकार आगंते नजर

सुनील ग्रोवर के गुर्ही और डॉ मशहूर गुलाटी के किरदार को दर्शकों ने खुब पसंद किया है। सुनील ग्रोवर ने भी शो दोबारा शुरू कर दिया है। सुनील 'कॉमेडी नाइट्स' विद कपिल' और 'द कपिल शर्मा' शो में इन किरदारों से लोकप्रिय होने



के बाद एक घरेलू नाम बन गए।

कॉमेडिया रिपोर्टर्स के अनुसार, 2018 में जब कपिल और सुनील कॉमेडियन ऑस्ट्रेलिया में एक शो से लौट रहे थे, तो फ्लाइट में उनके बीच लड़ाई हो गई। इसके बाद सुनील ने कपिल के साथ काम करना बंद कर दिया था। हालांकि, कपिल और सुनील ने नेटफिल्म्स शो के लिए फिर से हाथ मिलाया है। इस शो में कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर के अलावा राजीव ठाकुर, कौकू शारदा, कृष्ण अभिषेक और अर्चना पूर्ण सिंह नजर आएंगे।

एक्टर-कॉमेडियन कृष्ण अभिषेक और उनके सुपरस्टार मामा गेविंदा के बीच कई सालों से अनबन चल रही है। दोनों एक दूसरे के साथ बातचीत नहीं करते। हालांकि कृष्ण ने कई बार अपनी कॉमेडी उनसे बात करने की इच्छा जाहिर की है, लेकिन अब भी उनके रिश्ते में खातास है।

कृष्ण की बहन एक्ट्रेस अरती के सिंह की जल्द शादी होने वाली है। अरती को अपनी कॉमेडियन को उम्मीद है कि उनके मामा संग रिश्ता ठीक हो जाएगा। एक इंटरव्यू में कृष्ण से सवाल किया गया कि कृष्ण वाहनी की शादी में गेविंदा को न्योट देंगे? इसपर कृष्ण ने कहा, "अरे सबसे पहला इनवाइट उनको ही जापान क्या बात कर रहे हैं?" अभिषेक ने भी बताया कि गेविंदा उनका परिवार है। और अरती से बहुत ध्यान करते हैं।

आरती की शादी की तारीख अभी कफर्म नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि वह अप्रैल या मई में हो जाएगा।

इंडी के पास क्यों पहुंचे कपिल शर्मा, कार डिजाइनर दिलीप छाबड़िया पर लगाए आयोप



क्यों इंडी के पास गए कपिल शर्मा

कपिल शर्मा ने कार डिजाइनर दिलीप छाबड़िया पर आयोप लगाया है कि उन्होंने कपिल के संग धोखाधड़ी की है। दरअसल कपिल ने कहा कि उन्होंने एक खास वेनटी वैन का ऑडिर दिया था, जिसकी डिलीवरी न होने के लिए उन पर ही दोष मढ़ने की कोशिश भी की और साथ ही उन्होंने अवैध यानि की गतल तरीकों से ऐसे एंटेने का प्रयास किया है। प्रवर्तन निदेशलय (ईडी) ने मनी लॉर्डिंग मामले में दिलीप छाबड़िया के खिलाफ दाखिल आरोप पत्र के हिस्से के रूप में धोखाधड़ी का अधिकृत प्रतिनिधि मोहम्मद हामिद का व्यापार नहीं किया है।

उन्होंने कोशिश भी की है कि विक्री की दिनांक नहीं हुई है।

'12वीं फेल' एक्टर विक्रांत मैसी बने पापा



12वीं फेल के मशहूर एक्टर विक्रांत मैसी शीतल ठाकुर के लिए, ये साल बेहद कमाल का रहा है। जहां हाल ही एक्टर को 12वीं फेल ने उन्होंने सफलता के नए आयाम पर पहुंचाया है और वहीं पर अब वो पिंत बन गए हैं। 12वीं फेल में अपने शानदार पराकरमास के लिए, आलोचकों, सेलेब्स और फैंस द्वारा दोष मढ़ने की कोशिश भी की है।

आपको बता दें कि विक्रांत ने शीतल के संग 14 फरवरी 2022 रजिस्टर्ड मैरियों की ओर 18 फरवरी के दर्शकों के साथ मिलकर एक पोस्ट के जरिए फैंस को डेट कर रहे थे। साल 2015 से दोनों एक दूसरे से प्यार करते हैं और सेप्टेंबर के जनवरी को बने पिता

विक्रांत और पत्नी शीतल ठाकुर के नाम पर आतंकवादी को अपनी कैमेंट के बारे में पता चला है। इसलिए इसे



आधिकारिक तौर पर बताना है। परिवार अब तक सब कुछ छिपाकर रख रहा है। यामी और आदित्य धर जल्द ही इसकी घोषणा करने जा रहे हैं, क्योंकि वह अब अपनी प्रेमेंसी की खबर पर चुप्पी साधी हुई है। कपल ने अभी तक इस खुशखबरी को अपने फैंस के साथ शेयर नहीं किया है।

यामी गौतम-आदित्य धर जल्द बनेंगे माता-पिता

यामी गौतम हाल ही में अपने पिता अदित्य धर के साथ 'आर्टिकल 370' के इवेंट में पहुंची थीं। जहां वह अपने बेटे क्षुपती हुई नजर आ रही थीं। इससे पहले भी थीं उन्होंने वाली हैं।

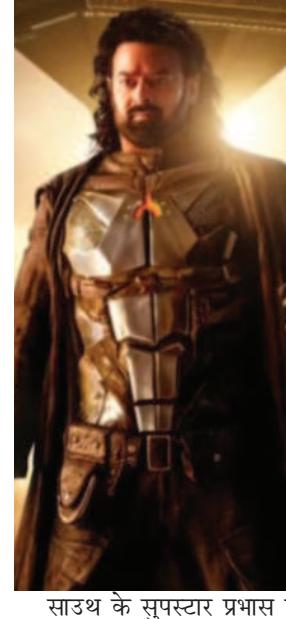
आदित्य धर के घर जल्द ही नहा मेहमान आने वाला है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्टर्स के मुताबिक यामी की प्रेमेंसी को सब बांध महीने हो गए हैं। यामी और आदित्य धर आ रही हैं कि यामी गौतम मां बनने वाली हैं।

आदित्य धर के घर जल्द ही नहा मेहमान आने वाला है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्टर्स के मुताबिक यामी की प्रेमेंसी को सब बांध महीने हो गए हैं। यामी और आदित्य धर आ रही हैं कि यामी गौतम हाल ही में अपने पिता अदित्य धर के साथ 'आर्टिकल 370' के इवेंट में पहुंची थीं। जहां वह अपने बेटे क्षुपती हुई नजर आ रही थीं। इससे पहले भी थीं उन्होंने वाली हैं।

रिपोर्टर्स के मुताबिक सूत्र ने कहा है, "यामी साढ़े पांच महीने से प्रेनेंट हैं। जब से यामी को अपनी प्रेमेंसी के बारे में पता चला है तब से वह बेहद खुश है। इसलिए इसे

आधिकारिक तौर पर बताना है। परिवार अब तक सब कुछ छिपाकर रख रहा है। यामी और आदित्य धर जल्द ही इसकी घोषणा करने जा रहे हैं, क्योंकि वह अब अपनी प्रेमेंसी की खबर पर चुप्पी साधी हुई है। कपल ने अभी तक इस खुशखबरी को अपनी कैमेंट के बारे में केस आंजादी के नाम पर आतंकवादी को अपनी प्रेमेंसी के बारे में पता चला है। इसलिए इसे

'कलिं 2898 एडी' में विजय देवरकोड़ा और दुलकर सलमान की एंट्री हो सकती है, प्रभास संग बड़े पर्दे पर नचाएंगे धमाल!



शुक्रवार, 9 फरवरी, 2024 9

साउथ के सुपरस्टार प्रभास

ने साल 2023 में फिल्म 'सालार' के साथ बाक्स ऑफिस गदर काट

प्रभास और दीपिका पादुकोण की साईं-फाई मूवी 'कलिं 2898 एडी' रिलीज से पहले काफी चर्चा में है।

फिल्म को लेकर अब तक विजय देवरकोड़ा और दुलकर सलमान की फिल्म में स्टार्स साथ का जाना-माना नाम

प्रोटर्स के मुताबिक फिल्म 'कलिं 2898 एडी' में विजय देवरकोड़ा और दुलकर सलमान की एंट्री हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक दुलकर सलमान और विजय देवरकोड़ा का फिल्म में स्टार्स साथ का जाना-माना नाम

है।

'कलिं 2898 एडी' में हुई इन स्टार्स की एंट्री

प्रभास और दीपिका पादुकोण की साईं-फाई मूवी 'कलिं 2898 एडी' के मेकर्स अभी तक विजय देवरकोड़ा और दुलकर सलमान की एंट्री को लेकर कोई अधिकारिक जानकारी नहीं दी है। इसके लिए थोड़ा इंतजार करना चाहिए।

रिपोर्टर्स के मुताबिक फिल्म 'कलिं 2898 एडी' से दो नए बाली वाली हैं। अब तक

प्रियंका गोविंदा

की अंदरूनी

लगता है कि हमें कभी असफलता से सकती। उन्होंने हंस हुए कहा, "मैं कृष्ण की अंदरूनी को असफलता पर डरना नहीं चाहिए।"

'आदिरुद्धु'

की अंदरूनी

लगता है कि हमें कभी असफलता पर डरना नहीं चाहिए।

सैफ

ने कहा, "मूझे बाली स्टार की अंदरूनी में रिपोर्टर्स ने कहा, 'उस फिल्म को लेकर लोग जायेंगे। अपने दोनों बाली वाली हैं। उन्होंने अपनी कॉमेडी और दुलकर सलमान की एंट्री के बारे में बात करते हैं, तो मैं फिल्म 'कलिं 2898 एडी' के मेकर्स अभी तक विजय देवरकोड़ा और दुलकर सलमान की एंट्री को लेकर कोई अधिकारिक जानकारी नहीं दी है। इसके लिए थोड़ा इंतजार करना चाहिए।"

परंपरा के नाम पर जली लकड़ी दिखाकर भगाते हैं

बलिया, 8 फरवरी (एकस्वलूसिव डेस्क)। 'दादा जी बताते हैं कि लोग अभी भी सुवह-सुवह उनका मुंह देखना पसंद नहीं करते। उनके जमाने में तो सादी-विवाह तक में अपने घर नहीं बुलाते थे। ये सब अगर आपके दादा के साथ हो, तो आपको कैसा लगेगा? मुझे बुरा लगता है। जमाना भले हो बदल गया हो, लेकिन हमारी परिस्थित में बहुत बदलाव नहीं हुआ है।' ये नाराजगी 28 साल के विवेक कांडेय की है, जो मुझे अपने घर के दरवाजे पर देखते ही जाहिर करने लगते हैं।

विवेक कहते हैं, 'लोग हमें अशुभ मानते हैं, फिर जैसे की घर पर किसी की मौत हुई हमें बुलाकर खाना खिलाते हैं। दान देकर 'हिंदू' शब्द की घर से निकलते हैं, लेकिन घर से निकलते ही तुजुआठ (आधी जली हुई लकड़ी) दिखाते हैं। उनकी नजर में यह गलत नहीं, अपमान नहीं, बस एक परंपरा है।' विवेक एप्प धास है। उनकी जीविका का साधन फिलहाल श्राद्धकर्म ही है, जिसे वो चाह कर भी छोड़ नहीं सकते हैं।

ये विवेक हैं, महापात्र ब्राह्मण के कुल में पैदा हुए। भारतीय जातीय व्यवस्था में ब्राह्मण ने खुद को संवर्शक, प्रवर्तन निदेशलय ने झारखंड से कांग्रेस के राजसभा पांसद धीरज प्रसाद साहू को मनी लॉन्डिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। इसी मामले में केंद्रीय एजेंसी ने पूर्ण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफतार किया था। 64 वर्षीय साहू उस सम्पर्क चर्चा में आए थे, जब वो तो दिवंबर में आपकर विवाह ने ओडिशा स्थित बौद्ध डिस्ट्रिक्ट ग्राइवेट लिमिटेड (बीडीपीएल) के खिलाफ छापमारी की थी और 351.8 करोड़ रुपये नकद बरामद किए थे। यह अब तक को सबसे बड़ी

होने वाली अपराधी की भावना है।' मामला अंधविश्वास और परंपरा के नाम पर समस्या की तरफ बढ़ चल रहा है। महापात्रों के साथ उन्हें बुलाने से लेकर सुवह बुलाकर खाना खिलाते हैं। जमाना भले हो के बाद जाकर आवाज देते हैं। घर की दहलीज के अंदर कदम नहीं रखते। घर बाले उन्हें कच्चा अनाज लाकर देते हैं, जिससे वो खुद खाना मुंह देखने पर दिन खारब हो जाने जैसी श्राद्धियां अगर नाराज हो गए, तो मरने वाले की आत्मा को शांति नहीं मिलती।

विवेक कहते हैं, 'हिंदू धर्म मंग्रथों के व्यवस्था के आधार पर यह तय है कि श्राद्धकर्म ही है, जिसे वो चाह कर भी छोड़ नहीं सकते हैं।'

ये विवेक हैं, महापात्र ब्राह्मण के कुल में पैदा हुए। भारतीय जातीय व्यवस्था में ब्राह्मण ने खुद को संवर्शक, प्रवर्तन निदेशलय ने झारखंड से कांग्रेस के राजसभा पांसद धीरज प्रसाद साहू को मनी लॉन्डिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। इसी मामले में केंद्रीय एजेंसी ने पूर्ण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफतार किया था। 64 वर्षीय साहू उस सम्पर्क चर्चा में आए थे, जब वो तो दिवंबर में आपकर विवाह ने ओडिशा स्थित बौद्ध डिस्ट्रिक्ट ग्राइवेट लिमिटेड (बीडीपीएल) के खिलाफ छापमारी की थी और 351.8 करोड़ रुपये नकद बरामद किए थे। यह अब तक को सबसे बड़ी

चेहरा देखना तक अपशकुन, कोई हमारे समाज में शादी नहीं करता

तक होता तो ठीक, लेकिन बदलते साल के साथ भेदभाव के तौर में बदलाव नहीं आ सकता है। आलम ये है कि महापात्र कहे जाने वाले के आज भी किसी साधूहिक आयोजनों में नहीं बुलाया जाता। खासकर वो आयोजन जो 'शुभ' माने जाते हैं।

यूपी - बिहार समेत लगभग सभी दीदी आयोजनों में महापात्रों से श्राद्धकर्म कराने का चलन है। यह मामला अंधविश्वास और परंपरा के नाम पर समस्या की तरफ बढ़ चल रहा है। महापात्र की जरूरत अंतर्विद्युत के 11वें दिन होती है। ये लोग मौत वाले घर के बाहर जाकर आवाज देते हैं। घर की दहलीज के अंदर कदम नहीं रखते। घर बाले उन्हें कच्चा अनाज लाकर देते हैं, जिससे वो खुद खाना मुंह देखने पर दिन खारब हो जाने जैसी श्राद्धियां अगर नाराज हो गए, तो मरने वाले की आत्मा को शांति नहीं मिलती।

दिनेश आठ साल की उम्र से कर रहे हैं। वे कहते हैं कि 'विद्या-एलिए, हम लोग महाब्रह्मण हैं। जमाना की आगे खुब रहे हैं।' वो बताते हैं, 'हिंदू धर्मग्रथों के व्यवस्था के आधार पर यह तय है कि श्राद्धकर्म ही है, जिसे वो चाह कर भी करेंगे। उस हिंसाका से हम लोग ब्राह्मण हैं, लेकिन घर से निकलते ही तुजुआठ (आधी जली हुई लकड़ी) दिखाते हैं। उनकी नजर में यह गलत नहीं, अपमान नहीं, बस एक परंपरा है।' विवेक एप्प धास है। उनकी जीविका का साधन फिलहाल श्राद्धकर्म ही है, जिसे वो चाह कर भी करेंगे।

ये विवेक हैं, महापात्र ब्राह्मण के कुल में पैदा हुए। भारतीय जातीय व्यवस्था में ब्राह्मण ने खुद को संवर्शक, और दूसरों के अपने नकद तात्पर्य में यह गलत नहीं, अपमान नहीं, बस एक परंपरा है। इनकी जीविका का साधन फिलहाल श्राद्धकर्म ही है, जिसे वो चाह कर भी करेंगे। उसका अनाज लेते हैं, क्योंकि उसमें दोष नहीं लगता। उसके बाद अपने हाथ से खाना बनाकर खाते हैं, ताकि इसने जाने की शांति मिल सकती।

ये विवेक हैं, महापात्र ब्राह्मण के अनुसार जब अनाज-अलिंग नाम रखा गया है। यहां मिले तो छोड़, ब्राह्मण समाज के लोगों की ही बात से समझ में आ जाता है कि कब वो मजाक बना रहे हैं और कब उनके मन में हमें नीच माना गया है।

दरअसल, हिंदू दिवाजों में परिवार में किसी की बाद तो उनके घर के बाहर लोग हमारी आदि

करते हैं। ये विवेक हैं, महापात्र ब्राह्मण के कुल में पैदा हुए। भारतीय जातीय व्यवस्था में ब्राह्मण ने खुद को संवर्शक, प्रवर्तन निदेशलय ने झारखंड से कांग्रेस के राजसभा पांसद धीरज प्रसाद साहू को मनी लॉन्डिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। इसी मामले में केंद्रीय एजेंसी ने पूर्ण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफतार किया था। 64 वर्षीय साहू उस सम्पर्क चर्चा में आए थे, जब वो तो दिवंबर में आपकर विवाह ने ओडिशा स्थित बौद्ध डिस्ट्रिक्ट ग्राइवेट लिमिटेड (बीडीपीएल) के खिलाफ छापमारी की थी और 351.8 करोड़ रुपये नकद बरामद किए थे। यह अब तक को सबसे बड़ी

होने वाली अपराधी की भावना है।

ये विवेक हैं, महापात्र ब्राह्मण के कुल में पैदा हुए। भारतीय जातीय व्यवस्था में ब्राह्मण ने खुद को संवर्शक, प्रवर्तन निदेशलय ने झारखंड से कांग्रेस के राजसभा पांसद धीरज प्रसाद साहू को मनी लॉन्डिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। इसी मामले में केंद्रीय एजेंसी ने पूर्ण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफतार किया था। 64 वर्षीय साहू उस सम्पर्क चर्चा में आए थे, जब वो तो दिवंबर में आपकर विवाह ने ओडिशा स्थित बौद्ध डिस्ट्रिक्ट ग्राइवेट लिमिटेड (बीडीपीएल) के खिलाफ छापमारी की थी और 351.8 करोड़ रुपये नकद बरामद किए थे। यह अब तक को सबसे बड़ी

होने वाली अपराधी की भावना है।

ये विवेक हैं, महापात्र ब्राह्मण के कुल में पैदा हुए। भारतीय जातीय व्यवस्था में ब्राह्मण ने खुद को संवर्शक, प्रवर्तन निदेशलय ने झारखंड से कांग्रेस के राजसभा पांसद धीरज प्रसाद साहू को मनी लॉन्डिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। इसी मामले में केंद्रीय एजेंसी ने पूर्ण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफतार किया था। 64 वर्षीय साहू उस सम्पर्क चर्चा में आए थे, जब वो तो दिवंबर में आपकर विवाह ने ओडिशा स्थित बौद्ध डिस्ट्रिक्ट ग्राइवेट लिमिटेड (बीडीपीएल) के खिलाफ छापमारी की थी और 351.8 करोड़ रुपये नकद बरामद किए थे। यह अब तक को सबसे बड़ी

होने वाली अपराधी की भावना है।

ये विवेक हैं, महापात्र ब्राह्मण के कुल में पैदा हुए। भारतीय जातीय व्यवस्था में ब्राह्मण ने खुद को संवर्शक, प्रवर्तन निदेशलय ने झारखंड से कांग्रेस के राजसभा पांसद धीरज प्रसाद साहू को मनी लॉन्डिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। इसी मामले में केंद्रीय एजेंसी ने पूर्ण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफतार किया था। 64 वर्षीय साहू उस सम्पर्क चर्चा में आए थे, जब वो तो दिवंबर में आपकर विवाह ने ओडिशा स्थित बौद्ध डिस्ट्रिक्ट ग्राइवेट लिमिटेड (बीडीपीएल) के खिलाफ छापमारी की थी और 351.8 करोड़ रुपये नकद बरामद किए थे। यह अब तक को सबसे बड़ी

होने वाली अपराधी की भावना है।

ये विवेक हैं, महापात्र ब्राह्मण के कुल में पैदा हुए। भारतीय जातीय व्यवस्था में ब्राह्मण ने खुद को संवर्शक, प्रवर्तन निदेशलय ने झारखंड से कांग्रेस के राजसभा पांसद धीरज प्रसाद साहू को मनी लॉन्डिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। इसी मामले में केंद्रीय एजेंसी ने पूर्ण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गि�रफतार किया था। 64 वर्षीय साहू उस सम्पर्क चर्चा में आए थे, जब वो तो दिवंबर में आपकर विवाह ने ओडिशा स्थित बौद्ध डिस्ट्रिक्ट ग्राइवेट लिमिटेड (बीडीपीएल) के खिलाफ छापमारी की थी और 351.8 करोड़ रुपये नकद बरामद किए थे। यह अब तक को सबसे बड़ी

होने वाली अपराधी की भावना है।

ये विवेक हैं, महापात्र ब्राह्मण के कुल में पैदा हुए। भारतीय जातीय व्यवस्था में ब्राह्मण ने खुद को संवर्शक, प्रवर्तन निदेशलय ने झारखंड से कांग्रेस के राजसभा पांसद धीरज प्रसाद साहू को मनी लॉन्डिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। इसी मामले में केंद्रीय एजेंसी ने पूर्ण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफतार किया था। 64 वर्षी

रोहित शर्मा को मुंबई इंडियंस के कप्तानी से क्यों हटाया गया? मुंबई इंडियंस के कोच ने खोला राज



मुंबई, 8 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच मार्क बाउचर ने हाल ही में बताया कि रोहित शर्मा को आईपीएल 2024 से पहले मुंबई इंडियंस के कप्तान के पद से क्यों हटाया गया था।

स्टार ऑफिसर डॉ वार्डिक पंड्या दो साल तक गुजरात टाइटन्स का

नेतृत्व करने के बाद मुंबई इंडियंस में लौट आए हैं। आईपीएल 2024 की मिनी नीलामी से ठीक चार दिन पहले, उन्हें पंच बार आईपीएल खिलाड़ी के रूप में रोहित का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लाया गया। बस उसे बाहर जाने दो और अनंत लो और कुछ अच्छे रन बनाए दो।

रोहित ने 2013 में मुंबई इंडियंस के लिए कप्तानी की शुरुआत की और अपने 10 साल के कार्यकाल में उन्होंने टीम को 5 आईपीएल खिलाड़ी जिताए। बाउचर ने 35 वर्षीय खिलाड़ी के लिए उनके नेतृत्व से लोग नहीं समझते। लोग काफी भावुक हो जाते हैं, लेकिन आप जानते हैं कि आप भावनाओं

पर कहा, "मुझे लगता है कि यह प्रौरी तरह से एक क्रिकेट निर्णय था। हमने हार्दिक को एक खिलाड़ी के रूप में वापस लाने का विंडो परियाड देखा। भारत में बहुत से लोग नहीं समझते। लोग काफी भावुक हो जाते हैं, लेकिन आप जानते हैं कि आप भावनाओं

राजकोट, 8 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की घेरोलू टेस्ट सीरीज खेल रही भारतीय टीम को एक तगड़ा झटका लगने वाला है।

शुरुआती दो मुकाबलों से बाहर रहने वाले खिलाड़ी कोहली अब भी ब्रेक पर ही रह सकते हैं। कोहली का यह ब्रेक बहुत सकता है और वो सीरीज के अगले दो टेस्ट में भी बाहर रह सकते हैं।

इंग्लैंड के खिलाड़ी ने अपनी रिपोर्ट में यह दाव किया है, उपरके मुताबिक, कोहली एक बार फिर निजी कारोंगों अगले दो मुकाबलों से बाहर रहेंगे। बता दें कि शुरुआती 2 मैच के बाद सीरीज अभी 1-1 की बाबती पर है।

जबकि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के आखिरी 3 मुकाबलों के लिए भारतीय टीम का ऐलान होना अभी बाकी है, भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का तीसरा मुकाबला 15 फरवरी से खेला जाएगा। यह मैच राजकोट में होगा, इसके बाद चौथा मुकाबला रांची में होना वाला है।

सीरीज का यह चौथा मैच 23 फरवरी से खेला जाएगा। जबकि सीरीज का आखिरी और पांचवां टेस्ट मुकाबला 7 मार्च से खेला जाएगा। यह मुकाबला धर्मशाला में होना है। रिपोर्ट के मुताबिक, कोहली इस आखिरी मैच में वापसी कर सकते हैं।

भारतीय टीम को तगड़ा झटका

अगले दो टेस्ट भी नहीं खेलेंगे विराट कोहली!



साउथ अफ्रीका पहली बार विमेंस वनडे में ऑस्ट्रेलिया से जीता



सिडनी, 8 फरवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका की विमेंस टीम ने ऑस्ट्रेलिया को वनडे में फील्डिंग चुनी। साउथ अफ्रीका ने 45 ओवर में साउथ अफ्रीका ने 45 ओवर में 6 विकेट पर 229 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया 29.3 ओवर में 84 रन से जीत

हासिल की। सिडनी के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। साउथ अफ्रीका ने 45 ओवर में साउथ अफ्रीका ने 45 ओवर में 6 विकेट पर 229 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया 29.3 ओवर में 84 रन से जीत

पेरिस ओलंपिक के दौरान खिलाड़ियों को सताएंगी भीषण गर्मी

टोक्यो ओलंपिक की तरह लू का खतरा



टोक्यो ओलंपिक के दौरान खिलाड़ियों को सताएंगी भीषण गर्मी

गर्मी का सवार्धिक असर एथलेटिक्स स्पर्धाओं खासतौर पर खेलों के दौरान खिलाड़ियों को गर्मी बुरी तरह परेशान करेगी।

इसके साथ ही एथलेटिक्स स्पर्धाओं खासतौर पर मैरीथन के अलावा टेनिस, बीच से बचने के लिए सन्शेष के साथ वॉलीबॉल पर पड़ेगा।

हमने जांच पड़ताल करके यह सुनिश्चित किया है कि हमारी सभी इमारतें 2050 की गर्मियों में भी आरामदायक रहें।

उन्नत बनाया गया है। वृक्षरोपण क्षेत्र का दायरा काफी विस्तृत किया गया है। आयोजनकर्ता घर के अंदर के तापमान को बाहर की तुलना में कम से कम छह डिग्री संतुल्यता कम रखने की गरिमा देते हैं। हालांकि खेल कुंभ में भाग लेने वाले कुछ देश इस अपर्याप्त मानते हैं।

ओलंपिक स्थलों के निर्माण के लिए जिम्मेदार फ्रांसीसी एजेंसी के प्रमुख निकोलस फैरैंड ने सीनेट की सुनवाई में आश्वस्त किया है कि सभी इनडोर सुविधाएं वैशिक तापमान को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं।

हमने जांच पड़ताल करके यह सुनिश्चित किया है कि हमारी सभी इमारतें 2050 की गर्मियों में भी आरामदायक रहें।

उत्तरी पेरिस में एथलेटों का गांव है। इसे नए पर्यावरण मानकों को स्थापित करने के तहत बौरे एयर कंडीशनिंग के बनाया गया है। एयर कंडीशनिंग के नदी के किनारे के टॉवर ब्लॉकों में प्राकृतिक भू-तापीय ठंडा करने की प्रणाली स्थापित की गई है।

ओलंपिक स्थलों के लिए जिम्मेदार फ्रांसीसी एजेंसी के प्रमुख निकोलस फैरैंड ने सीनेट की सुनवाई में आश्वस्त किया है कि सभी इनडोर सुविधाएं वैशिक तापमान को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं।

हमने जांच पड़ताल करके यह सुनिश्चित किया है कि हमारी सभी इमारतें 2050 की गर्मियों में भी आरामदायक रहें।

उत्तरी पेरिस में एथलेटों का गांव है। इसे नए पर्यावरण मानकों को स्थापित करने के तहत बौरे एयर कंडीशनिंग के नदी के किनारे के टॉवर ब्लॉकों में प्राकृतिक भू-तापीय ठंडा करने की प्रणाली स्थापित की गई है।

इसके साथ ही एथलेटिक्स स्पर्धाओं खासतौर पर मैरीथन के अलावा टेनिस, बीच से बचने के लिए सन्शेष के साथ वॉलीबॉल पर पड़ेगा।

हमने जांच पड़ताल करके यह सुनिश्चित किया है कि हमारी सभी इमारतें 2050 की गर्मियों में भी आरामदायक रहें।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस का यह टॉप ऑर्डर बल्लेबाज इन दिनों गुजरात में पंड्या ब्रदर्स के साथ मिलकर ट्रेनिंग कर रहा है। हार्दिक पंड्या और कृष्णाल पंड्या अपने गह नगर बड़ीदांड में क्रिकेट केंद्रमार्गी में ट्रेनिंग करते हैं और इन दिनों इनके साथ इशान भी पुढ़े गए हैं।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस का यह टॉप ऑर्डर बल्लेबाज इन दिनों गुजरात में पंड्या ब्रदर्स के साथ मिलकर ट्रेनिंग कर रहा है। हार्दिक पंड्या और कृष्णाल पंड्या अपने गह नगर बड़ीदांड में क्रिकेट केंद्रमार्गी में ट्रेनिंग करते हैं और इन दिनों इनके साथ इशान भी पुढ़े गए हैं।

क्रिकेट के मूलांकन की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट के लिए जिम्मेदार आईपीएल का यह टॉप ऑर्डर बल्लेबाज इन दिनों गुजरात में पंड्या ब्रदर्स के साथ मिलकर ट्रेनिंग कर रहा है। हार्दिक पंड्या और कृष्णाल पंड्या अपने गह नगर बड़ीदांड में क्रिकेट केंद्रमार्गी में ट्रेनिंग करते हैं और इन दिनों इनके साथ इशान भी पुढ़े गए हैं।

क्रिकेट के मूलांकन की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट के लिए जिम्मेदार आईपीएल का यह टॉप ऑर्डर बल्लेबाज इन दिनों गुजरात में पंड्या ब्रदर्स के साथ मिलकर ट्रेनिंग कर रहा है। हार्दिक पंड्या और कृष्णाल पंड्या अपने गह नगर बड़ीदांड में क्रिकेट केंद्रमार्गी में ट्रेनिंग करते हैं और इन दिनों इनके साथ इशान भी पुढ़े गए हैं।

क्रिकेट के मूलांकन की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट के लिए जिम्मेदार आईपीएल का यह टॉप ऑर्डर बल्लेबाज इन दिनों गुजरात में पंड्या ब्रदर्स के साथ मिलकर ट्रेनिंग कर रहा है। हार्दिक पंड्या और कृष्णाल पंड्या अपने गह नगर बड़ीदांड में क्रिकेट केंद्रमार्गी में ट्रेनिंग करते हैं और इन दिनों इनके साथ इशान भी पुढ़े गए हैं।

क्रिकेट के मूलांकन की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट के लिए जिम्मेदार आईपीएल का यह टॉप ऑर्डर बल्लेबाज इन दिनों गुजरात में पंड्या ब्रदर्स के साथ मिलकर ट्रेनिंग कर रहा है। हार्दिक पंड्या और कृष्णाल पंड्या अपने गह नगर बड़ीदांड में क्रिकेट केंद्रमार्गी में ट्रेनिंग करते हैं और इन दिनों इनके साथ इशान भी पुढ़े गए हैं।

क्रिकेट के मूलांकन की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट के लिए जिम्मेदार आईपीएल का यह टॉप ऑर्डर बल्लेबाज इन दिनों गुजरात में पंड्या ब्रदर्स के साथ मिलकर ट्रेनिंग कर रहा है। हार्दिक पंड्या और कृष्णाल पंड्या अपने गह नगर बड़ीदांड में क्रिकेट केंद्रमार्गी में ट्रेनिंग करते हैं और इन दिनों इनके साथ इशान भी पुढ़े गए हैं।

क्रिकेट के मूलांकन की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट के लिए जिम्मेदार आईपीएल का यह टॉप ऑर्डर बल्लेबाज इन दिन

